VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS 2 5 DEC 2020

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1417)

Name of Candidate	Vipin Kumar Dwivedi		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	35567
Center	MN	Date	

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Dadabhai Naoroji left an indelible imprint on the national movement. Explain. **(150 words) 10**

दादाभाई नौरोजी ने राष्ट्रीय आंदोलन पर एक अमिट छाप छोड़ी। स्पष्ट कीजिए।

दादाभाई नौरोजी जो नरमदल के प्रसिद्ध नेता थे उन्होंने विभिन्न रूपों में भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में सक्रिय हो अपनी अमिट छाप छोड़ी।

(1) आर्थिक नीतियों की आलोचना।

अपनी पुस्तक पावर्टी इन ब्रिटिश रूल इन इंडिया के माध्यम से अंग्रेजों की आर्थिक नीतियों के वास्तविक स्वरूप को उजागर कर (आर्थिक-निकास) को प्रतिपादित किया।

(2) पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से लोगों में राष्ट्रवाद जगाया।

(3) संस्थागत स्तर: ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी की स्थापना करके अंग्रेजों के समक्ष भारतीय हितों को प्रस्तुत किया।

(4) कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में: इसमें कांग्रेस अधिवेशन, तथा 1906 के कलकत्ता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अधिवेशन की अध्यक्षता की जिसमें स्वराज को पारित किया गया।

• सामाजिक सुरक्षा!
पारसी समुदाय में महिलाओं के प्रति हो रहे भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई तथा रहनुमाई माजदायासन सभा आदि के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को बल दिया।

• नरपंथियों के रूप में 1892 के अधिनियम, नागरिक अधिकारों की प्राप्ति आदि में सहयोगी रहे
• ब्रिटेन में भारतीय हितों को उठाया।

इस प्रकार दादा भाई नरौजी गोपालकृष्ण गोखले, R.C दत्त आदि के साथ भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में सक्रिय हो अपनी अमिट छाप छोड़ी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. The Quit India movement marked a new direction in the struggle against the British colonial rule in India. Analyse. **(150 words) 10**

भारत छोड़ो आंदोलन ने भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरूद्ध संघर्ष में एक नई दिशा को चिन्हित किया। विश्लेषण कीजिए।

क्रिप्स मिशन की असफलता, जापानियों के हमलों का खतरा तथा द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय भागीदारी

- जैसे कारकों ने 1942 में भारत में भारत छोड़ो आन्दोलन को प्रोत्साहित किया।

इसने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष में एक नई दिशा दी जैसे:

- "करो या मरो" के नारे ने अब स्वतंत्रता को ही आखिरी लक्ष्य बनाया
- आन्दोलन का उद्देश्य ब्रिटिश उपनिवेश से आजादी
- प्रमुख नेताओं के गिरफ्तार होने के कारण आन्दोलन का स्वतः स्फूर्ति चरित्र
- समांतर सरकारों, क्रांतिक पद्धति जैसी नवीन गतिविधियों का प्रयोग
- महिलाओं की व्यापक सहभागिता (उषा मेहता, भूमिगत रेडियो स्टेशन,)

- फारवर्ड ब्लाक, समाजवादी दलों आदि के द्वारा हिंसात्मक गतिविधियाँ
- आम जन में आत्मविश्वास तथा जागरूकता का समावेशन

निष्कर्ष:
→ अंग्रेजों पर दबाव बना
→ भारत की स्वतंत्रता हेतु अंग्रेजों ने विचार प्रारम्भ किया
→ आगे चलकर कैबिनेट मिशन जैसी पहलें हुयीं।

अतः भारत छोड़ो आन्दोलन भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन को सफलता के द्वार तक ले जाने में प्रमुख माध्यम रहा।

3. The end of World War II marked the birth of a new international order. Examine. **(150 words) 10**

द्वितीय विश्व युद्ध के अंत ने एक नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को जन्म दिया। परीक्षण कीजिए।

1945 में जापान के समर्पण के साथ द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति हो गई। हालांकि इसने एक नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को जन्म दिया।

जैसे:

- संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना जिसने वैश्विक स्तर पर शांति, न्याय तथा समता पर बल दिया।
- गुटनिरपेक्ष आन्दोलन जिसने दक्षिण-दक्षिण सहयोग को प्रोत्साहन देने के साथ ही वैश्विक स्तर पर किसी भी विचार धारा से तटस्थ हो उपनिवेशवाद का विरोध किया।
- यूरोपीय देशों की कमजोर संरचना ने विऔपनिवेशीकरण को प्रोत्साहित किया (जैसे भारत, केन्या, घाना आदि में)
- शीत युद्ध का आरंभ।

इस युद्ध के अंत के साथ ही वैश्विक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्तर पर साम्यवाद तथा पूंजीवाद के विचारों के मध्य इससे वैचारिक द्वंद्व ने अमेरिका तथा सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध को बल दिया जिसका परिणाम निम्नलिखित रहा :-

- नाटो, वारसा पैक्ट, वारसा जैसे गुटों की स्थापना
- परमाणु हथियारों की होड़
- अंतरिक्ष अनुसंधान में तीव्रता
- ट्रूमैन, मार्शल योजना जैसी पहलों द्वारा विश्व के अन्य देशों की सहायता
- अफगानिस्तान में तालिबान का उदय

अतः द्वितीय विश्व युद्ध ने समाप्ति के साथ नई नई घटनाओं के उदय को प्रोत्साहित किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. The Simla Agreement (1972) and Lahore Declaration (1999) are two key milestones in the history of the Indian subcontinent. Discuss.

(150 words) 10

शिमला समझौता (1972) और लाहौर घोषणा-पत्र (1999) भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में दो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। चर्चा कीजिए।

शिमला समझौता जो बंग्लादेश के गठन के बाद भारत-पाकिस्तान के मध्य हुआ तथा लाहौर घोषणा पत्र जो कारगिल युद्ध के उपरांत हुआ भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में दो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं

शिमला समझौता:

- भारत द्वारा पाकिस्तान के ~~[illegible]~~ बंदी सैन्य बलों को रिहा किया गया
- भारत और पाकिस्तान ने LOC को अंतर्राष्ट्रीय सीमा माना
- सीमा पर सीज-फायर का प्रावधान
- द्विपक्षीय मुद्दों को बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त रहते हुये आपसी सहमति से हल करना
- उपमहाद्वीप में शांति एवं स्थिरता

लाहौर घोषणा:

- युद्ध विराम

- बस का परिचालन, खेल आदि के माध्यम से भारत-पाकिस्तान के मध्य सहयोग बढ़ाना।
- वार्ताओं का दौर जारी करके शांति और स्थिरता कायम करना

हालांकि इसके बाद भी चुनौतियां व्याप्त रही

→ पाकिस्तान द्वारा सीज़फायर का उल्लंघन
→ पाकिस्तान द्वारा आतंकी गतिविधियों को प्रोत्साहन (उरी, पठानकोट आदि)
→ द्विपक्षीय मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना (जम्मू कश्मीर मुद्दा)
↳ वार्ताओं में समन्वय न स्थापित होना

अतः इन दोनों समझौते ने यद्यपि अल्पकालिक शांति स्थापित की किंतु दीर्घकालिक शांति एवं स्थिरता लाने में पूर्णतः सफल नहीं है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Social security should not only involve economic empowerment but also social empowerment. Discuss in the context of India. **(150 words) 10**
सामाजिक सुरक्षा में न केवल आर्थिक सशक्तीकरण अपितु सामाजिक सशक्तीकरण भी सम्मिलित होना चाहिए। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

सामाजिक सुरक्षा से तात्पर्य समाज में स्वयं के समावेशी विकास हेतु आवश्यक संसाधनों तक पहुंच तथा सामाजिक बहिष्कार से सुरक्षा है।

सामाजिक सुरक्षा से आर्थिक ~~साशक्~~ सशक्तिकरण:-

- वित्तीय संसाधनों तक पहुंच (जनधन योजना)
- वित्तीय सुरक्षा (अटल पेंशन योजना)
- वित्तीय समावेशन जिससे बचत में वृद्धि
- ऋणात्मक आसान पहुंच (मुद्रा योजना)
- स्वास्थ्य पर आउट ऑफ पॉकेट व्यय का कम होना (भारत में अभी 57%, आयुष्मान भारत योजना इसमें सहायक)

सामाजिक सुरक्षा से सामाजिक सशक्तिकरण:-

- खाद्यान्नों तक पहुंच जिससे भुखमरी की समस्या का उन्मूलन (सार्वजनिक वितरण प्रणाली)
- समावेशी शिक्षा के रूप में शिक्षा तक पहुंच

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की पहुंच (सर्व शिक्षा अभियान 2000)

- सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं (प्रधानमंत्री जन औषधि योजना)
- आवास, स्वच्छ जल आदि तक पहुंच (प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत कार्यक्रम)
- समाज में जातिगत, लैंगिक आदि भेदभाव में कमी (मातृत्व लाभ संशोधन अधिनियम)

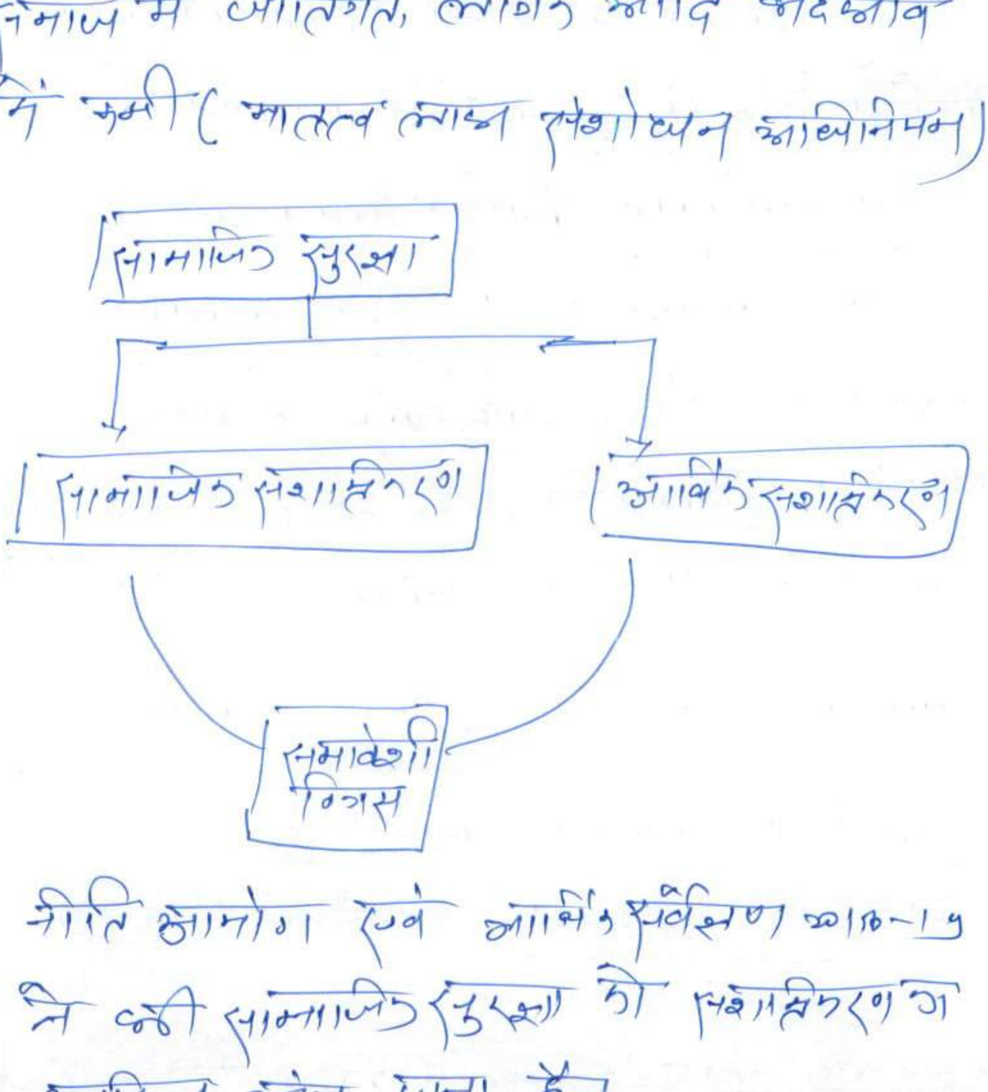

नीति आयोग एवं आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 ने भी सामाजिक सुरक्षा को सशक्तिकरण का अभिन्न अंग माना है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Explain with examples how globalisation is manifested in both local in the global and the global in the local. **(150 words) 10**

उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए कि वैश्वीकरण वैश्विक में स्थानीय और स्थानीय में वैश्विक, दोनों में किस प्रकार प्रकट होता है।

वैश्वीकरण से तात्पर्य भौगोलिक रूप से अलग स्थानों का आर्थिक रूप से इस प्रकार जुड़ना कि एक जगह में घटनाएं दूसरे जगह को प्रभावित करती हैं।

वैश्वीकरण वैश्विक में स्थानीय:

इसमें ग्लोकलाइजेशन तथा संस्कृति का पुनरुत्थान प्रक्रिया सम्मिलित है।

ग्लोकलाइजेशन:

खान पान: मैकडोनाल्ड का शाकाहारी पिज्जा, गोमांस का बर्गर नहीं शाकाहारी बर्गर

सिनेमा: हालीवुड फिल्मों का हिन्दी रूपांतरण, कार्टून हिन्दी में प्रसारण

पहनावा: धोती कुर्ता का रेडिमेट स्वरूप,

संस्कृति का पुनरुत्थान:

आर्ट आफ लिविंग, आयुर्वेद, योग, चिकनकारी, आध्यात्मक आदि भारतीय तत्वों का वैश्विक स्तर पर प्रचलन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्थानीय में वैश्विक

यह संस्कृतियों के मिलने से होने वाली प्रक्रिया हाइब्रिडाइजेशन ऑफ कल्चर है।

- कृषि उत्पादों की मांग।

खानपान:

रोटी चावल, दाल, डोसा आदि के साथ चाइनीज मंचूरियन, चाउमीन आदि

- पहनावा: पैंट शर्ट, जींस टीशर्ट, साड़ी के साथ ब्लाउज आदि

परिवार: एकल परिवारों का चलन

त्योहार: होली, दिवाली के साथ फ्रेंडशिपडे, फादर्सडे आदि

विवाह: लव मैरिज, लिव इन रिलेशनशिप, आदि का चलन।

- कृषि के स्थान पर सेवा क्षेत्र का चलन, महिला रोजगार

अतः वैश्वीकरण ने स्थानीयता और वैश्विकता को समायोजित किया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. In light of persistence of various forms of violence against women in India, discuss the ways in which the issue can be addressed effectively.

(150 words) 10

भारत में महिलाओं के विरूद्ध हिंसा के विभिन्न रूपों की विद्यमानता के आलोक में, उन उपायों की विवेचना कीजिए जिनसे इस मुद्दे का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सकता है।

राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2018-19 के बीच महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में 7.3% की वृद्धि हुयी है जिसका परिणाम वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट में भारत का स्थान 112वां है।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के विभिन्न स्वरूप:

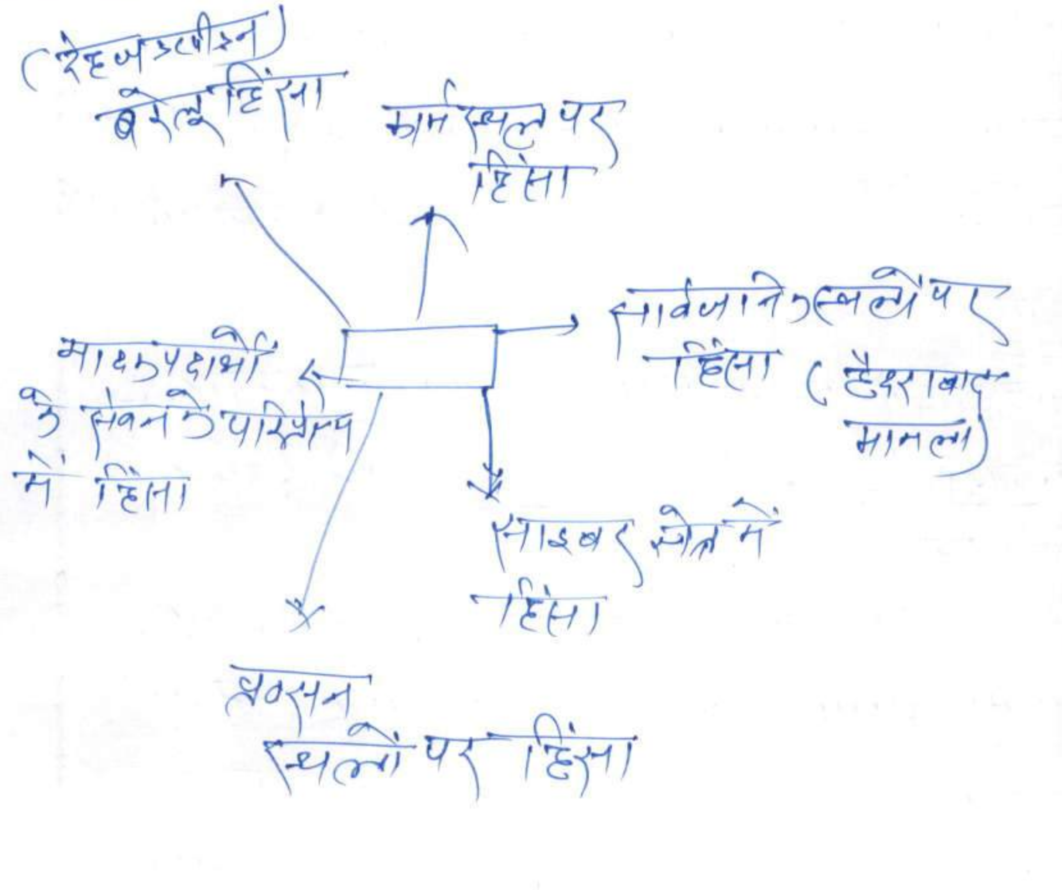

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने हेतु उपाय:

संस्थागत उपाय।

• हिंसा रोकने हेतु संगठनों की स्थापना (जैसे महिला वन स्टाप सेंटर)

• महिला बाल विकास मंत्रालय का सशक्तिकरण

नीतिगत स्तर।

• हिंसात्मक घटनाओं की प्रभावी जांच, कार्यवाही, दंड आदि हेतु उचित प्रावधान

• पुलिस को संवेदनशीलता का विकास (बलात्कार, लिंग मामला)

• हिंसात्मक गतिविधियों को रोकने हेतु कानूनों में समयानुसार संशोधन (वर्मा समिति)

अन्य।

• महिलाओं में अधिकारों के प्रति जागरूकता (~~[illegible]~~ पिंजरा तोड़, स्वयं, स्वाभिमान जैसे संगठनों के माध्यम से

• महिलाओं को शैक्षणिक, स्वास्थ्य, राजनीतिक (गीता मुखर्जी समिति) आदि रूप से सशक्त बनाना।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39 राज्य को महिलाओं की सशक्तिकरण हेतु कर्तव्यनिष्ठ बनाता है अतः महिलाओं की सुरक्षा करना राज्य का दायित्व है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. What is an urban forest? Highlight its benefits and steps taken by the government to promote urban forestry in India. **(150 words) 10**

शहरी वन क्या हैं? इनके लाभों और भारत में शहरी वानिकी को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालिए।

शहरी वन शहरी क्षेत्र में पाये जाने विभिन्न प्रकार के वनों की विविधता है ~~~~ .

शहरी वन के लाभ:

सामाजिक लाभ!

- हरित वातावरण का निर्माण
- जीवन योग्य वातावरण का निर्माण
- ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग

आर्थिक लाभ:

- लकड़ी उद्योग में कच्चा माल
- कागज उद्योग में कच्चे माल के रूप में

पर्यावरणीय लाभ:

- वायु प्रदूषण में कमी
- मृदा अपरदन में कमी
- जल स्रोतों के सतत विकास में सहायता
- चक्रवात, सुनामी आदि प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा

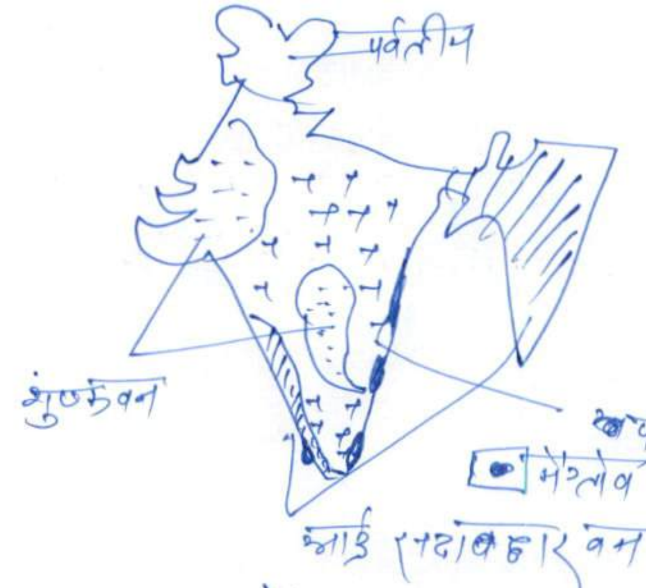

भारत में वन

शहरी वानिकी को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा उठाये गये कदम :

नीतिगत: • सामाजिक वानिकी नीति 2014.
• राष्ट्रीय वन नीति 1988

वैधानिक: पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986

अन्य: राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना, जैवविविधता अधिनियम 2002, पर्यावरण प्रभाव आकलन, तटीय क्षेत्र विनियमन, स्मार्ट सिटी (ग्रीन पट्टी आदि)

शहरी वन SDG 11 के तहत लचीली एवं धारणीय शहरी संरचना के विकास में सहायक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. How has globalization impacted the location of the IT industry?
(150 words) 10

वैश्वीकरण ने IT उद्योग की अवस्थिति को किस प्रकार प्रभावित किया है?

IT उद्योग जो कुशल आधुनिक सेवा क्षेत्र से संबंधित उच्च कुशलता युक्त श्रम शक्ति वाला उद्योग है वह वैश्वीकरण के कारण अवस्थिति स्तर पर प्रभावित हुआ है।

जैसे:

- कुशल श्रमिक आबादी वाले क्षेत्र में विकास। जैसे कैलीफोर्निया का सिलिकन वैली
- सस्ते श्रम वाले क्षेत्र में अवस्थिति: जैसे भारत में नोएडा, बंगलौर आदि क्षेत्र में
- सूचनाओं के तीव्र प्रवाह ने इसकी अवस्थिति को विकेंद्रीकृत किया है जैसे चीन (शेनझेन), जापान (ओसाका) आदि देशों में विकास
- बाजार की भूमिका अवस्थिति का निर्धारण है:- जैसे वैश्वीकरण के कारण भारतीय बड़े बाजार में माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक आदि कंपनियों का कारोबार

• वैश्वीकरण ने ऐसी कंपनियों को वैश्विक स्तर पर गतिशीलता प्रदान की है (जैसे इन्फोसिस का USA में कारोबार)

IT उद्योग की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले अन्य कारक:

• राज्य की अनुकूल नीतियां (कर्नाटक)
• तकनीक का विकास
• परिवहन तथा औद्योगिक संकुल
• मांग

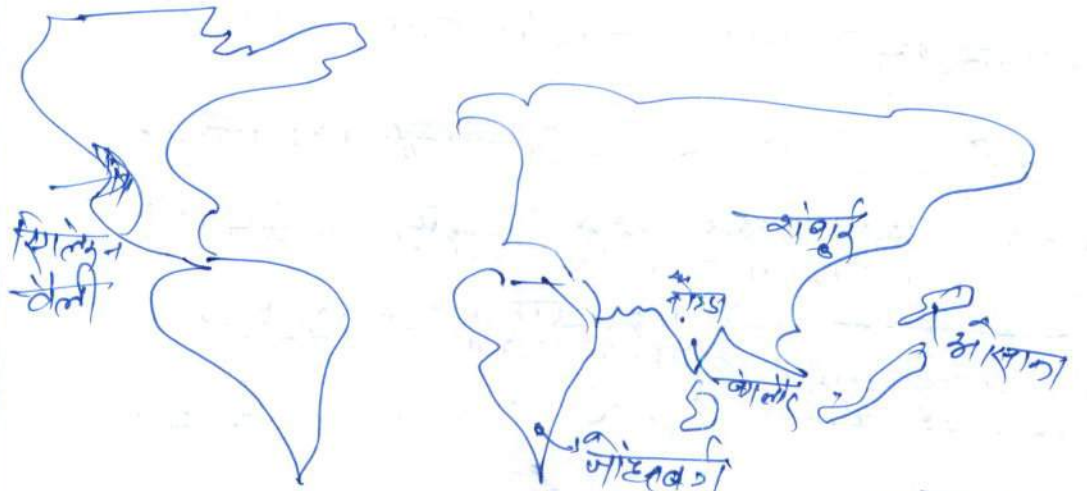

IT औद्योगिक क्षेत्र

अतः वैश्वीकरण ने IT उद्योगों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावित किया है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. How can eco-tourism be used to sustainably harness the potential of tourism industry in India? Discuss the challenges and steps taken by the government in this context. **(150 words) 10**

भारत में पर्यटन उद्योग की क्षमता का संधारणीय रूप से दोहन करने हेतु पारिस्थितिकीय पर्यटन का कैसे उपयोग किया जा सकता है? इससे जुड़ी चुनौतियों और इस संदर्भ में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिए।

पारिस्थितिक पर्यटन पर्यटन का वह रूप है जिसमें पारिस्थितिक विशेषताओं के प्रति पर्यटकों को आकर्षित कर आय प्राप्त की जाती है।

पर्यटन उद्योग की क्षमता का संधारणीय रूप से दोहन हेतु पारिस्थितिक पर्यटन का उपयोग भिन्न रूप में उपयोग किया जा सकता है।

① भारत में हिमालयी क्षेत्र में संधारणीय पर्यटन का विकास

② भारत में तटीय क्षेत्र में आर्द्रभूमियां, ज्वारनद आदि का पर्यटन क्षेत्र के रूप में संधारणीय विकास (जैसे अष्टमुडी झील, चिल्का झील)

③ भारत में द्वीपीय क्षेत्र का पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकास (जैसे पोर्ट ब्लेयर)

④ भारत में वनस्पति तथा जंतुओं के प्रति लोगों को आकर्षित करने हेतु चिड़ियाघर, जंगल सफारी, आदि का संधारणीय विकास

(5) पूर्वोत्तर क्षेत्र जो उच्च जैवविविधता हेतु जाना जाता है उसे संधारणीय पर्यटक क्षेत्र के रूप में विकसित करे

चुनौतियाँ

- पर्यावरणीय: पर्वतीय क्षेत्र में संरचनाओं के विकास क्रम में ढाल परिवर्तन एवं भूस्खलन, जैव विविधता का हनन, तटीय क्षेत्र में जल प्रदूषण, कोरल ब्लीचिंग को बल, आदि।
- नृजातीय: नृजातीय जनसंख्या का पलायन तथा इनकी संस्कृति में हस्तक्षेप (अण्डमान निकोबार के जारवा जनजाति का पलायन, अंडमान में रोग का विकास आदि
- आर्थिक: सुगम्यता हेतु परिवहन, बस्स्टैंड स्थलों, होटलों, बोर्डिंग आदि के विकास हेतु वित्त की चुनौती
- सामाजिक: इन क्षेत्र की जनसंख्या का अकुशल होना
- अंग्रेजी भाषा की कम जानकारी

सरकारी प्रयास: पारिस्थितिक पर्यटन सर्किट, स्वदेश योजना, पर्यटन नीति 2015, भारत सरकार, आदि

संधारणीय पर्यटन भारत में समावेशी विकास के साथ संधारणीय विकास में भी सहायक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The advent of Buddhism and Jainism was instrumental in the development of architecture in ancient India. Discuss. **(250 words) 15**

प्राचीन भारत में स्थापत्य कला के विकास में बौद्ध धर्म और जैन धर्म का उद्भव सहायक रहा। चर्चा कीजिए।

प्राचीन भारत में बौद्ध और जैन धर्म का उद्भव जो विभिन्न सामाजिक-आर्थिक कारकों के कारण हुआ उसने भारतीय स्थापत्य कला के विकास को भी प्रोत्साहित किया।

बौद्ध धर्म और भारत में स्थापत्य कला:-

(1) विहार तथा चैत्य का निर्माण: नासिक का कार्ले कान्हेरी जैसे चैत्य तथा विहार भिक्षुओं के रहने तथा उपासना स्थल के रूप में बनाये गये

(2) स्तूपों का निर्माण: बुद्ध से संबंधित अवशेषों पर स्तूपों का निर्माण हुआ जैसे सांची का स्तूप, अमरावती का स्तूप तथा धमेख का स्तूप

(3) गुहा निर्माण: बौद्ध धर्म से संबंधित गुफाओं का निर्माण हुआ जिसमें बुद्ध से संबंधित जातक कथाओं का वर्णन किया गया। जैसे (बाघ की गुफायें, अजंता की गुफायें आदि)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मूर्तिकला!

महायान शाखा के साथ ही बौद्ध धर्म में मूर्तिपूजा का प्रचार बढ़ा जिससे कुषाण काल में गंधार, गुप्त काल में मथुरा जैसे मूर्तिकला स्कूलों का विकास हुआ। जैसे सारनाथ के खड़े बौद्ध की प्रतिमा, अभय मुद्रा में बुद्ध की प्रतिमा आदि)

जैन धर्म तथा स्थापत्य कला!

गुहा निर्माण:

जैन अनुयायियों हेतु विभिन्न राजाओं ने गुफाओं का निर्माण कराया जैसे खारवेल राजाओं द्वारा उदयगिरी की गुफाओं का निर्माण

उपासना स्थल! जैसे श्रावणबेलगोला में स्थल का निर्माण

मंदिरों का निर्माण:- जैन तीर्थंकरों की मंदिरों का निर्माण माउंट आबू में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मूर्तिकला: मथुरा कला, एलोरा की गुफाओं, एलिफैंटा की गुफाओं, सित्तनवासल की गुफाओं में मूर्तिकला का निर्माण (जैसे गोमतेश्वर की प्रतिमा)

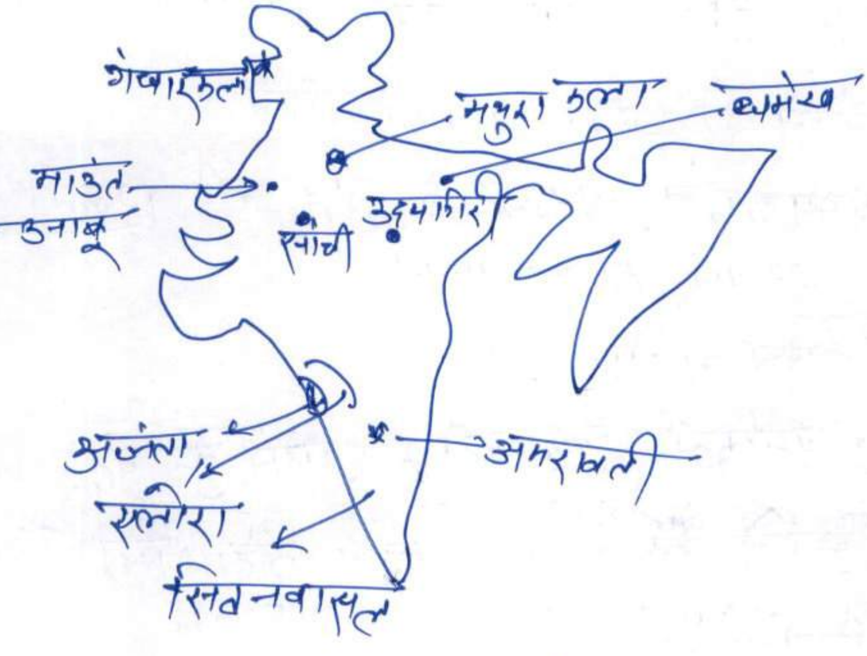

बौद्ध एवं जैन से संबंधित स्थापत्य कलायें

भारतीय इतिहास में कला-संस्कृति को प्रतिष्ठा एवं विविधता प्रदान करने में बौद्ध और जैन धर्म सहयोगी रहे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The reactionary policies of Lord Lytton and the liberal policies of his successor Lord Rippon acted as catalyst in the formation of the Indian National Congress. Discuss. **(250 words) 15**

लॉर्ड लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियों और उसके उत्तराधिकारी लॉर्ड रिपन की उदार नीतियों ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन में उत्प्रेरक का कार्य किया। चर्चा कीजिए।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन 1885 में हुआ जिसमें विभिन्न कारकों के साथ लार्ड लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियों और लार्ड रिपन की उदार नीतियों ने उत्प्रेरक का कार्य किया।

लार्ड लिटन की प्रतिक्रियावादी नीति

- भारत में अकाल के बाद भी दिल्ली दरबार का आयोजन
- शस्त्र अधिनियम
- वर्नाकुलर प्रेस एक्ट (इसे मुंह बंद करने वाला कानून कहा गया।

इन नीतियों ने:

- भारतीय बुद्धिजीवियों को एकीकृत किया
- राष्ट्रवाद की भावना को जागृत किया
- दादा भाई नरोजी, S.C बनर्जी, गोपाल कृष्ण गोखले जैसे बुद्धिजीवियों के मन संस्थागत तंत्र की स्थापना के लेकर विचार प्रोत्साहित किया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लार्ड रिपन की उदारवादी नीतियां:

- इलबर्ट बिल जिसके तहत यूरोपीय अधिकारियों के खिलाफ केस की सुनवाई का अधिकार भारतीय जजों को
- वर्नाकुलर प्रेस अधिनियम की समाप्ति
- स्थानीय शासन को प्रोत्साहन
- शिक्षा हेतु हंटर कमीशन

इन नीतियों ने:

- पत्र पत्रिकाओं के विकास में योगदान दिया जिससे देश का राजनीतिक रूप से एकीकरण हुआ (जैसे सुधारक, बंगाली आदि पत्रिका)
- संस्थागत संगठनों की स्थापना को बल मिला जिसने कांग्रेस की स्थापना का आधार तैयार किया (जैसे मद्रास महाजन सभा)
- आर्थिक तथा सामाजिक नीतियों के प्रति देश के बुद्धिजीवियों में आधुनिक विचारों को प्रोत्साहित किया जिससे उन्होंने इन नीतियों की आलोचना हेतु एक राष्ट्रीय संगठन की

स्थापना की आवश्यकता समझी।

इसके साथ ही अन्य कारक जिम्मेदार रहे जैसे

- → पूना सार्वजनिक सभा, बंगाल सभा जैसे संगठन
- → ए.ओ. ह्यूम का नेतृत्व
- → समांतर संगठन जैसे सामाजिक सुधार हेतु चल रहे संगठन
- → भारतीयों की शासन में भागीदारी बढ़ाने, नमक कर कम करने, नागरिक अधिकारों को प्राप्त करने जैसे कारक
- → लार्ड लिटन की नीतियां

अतः राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन में विभिन्न कारकों के साथ लार्ड लिटन एवं रिपन की नीतियां सहायक रहीं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Gandhiji changed his methods of struggle against the British from time-to-time to suit the varied circumstances and problems that needed to be tackled. Analyse. **(250 words) 15**

गांधी जी ने विभिन्न परिस्थितियों और समस्याओं जिनसे निपटने की आवश्यकता थी, के अनुकूल समय-समय पर अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष की अपनी विधियों में परिवर्तन किया। विश्लेषण कीजिए।

गांधीजी ने अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष की अपनी विधियों को परिस्थिति एवं समस्या के अनुकूल परिवर्तित कर अहिंसा और सत्य के विचारों पर चलते हुए २०० वर्षों के अंग्रेजी शासन को उखाड़ फेंका।

जैसे:

चंपारन, खेड़ा तथा अहमदाबाद आंदोलन: गांधी जी ने चंपारन में किसानों की सहायता हेतु तथा तिनकठिया पद्धति के उन्मूलन हेतु कानून का विरोध किया। वहीं अहमदाबाद में मिल मजदूरों के साथ भूख हड़ताल को अपनाया जबकि खेड़ा में लगान न देने की बात रही।

रौलेट सत्याग्रह: इस काले कानून के खिलाफ गांधी जी ने तत्कालिक लोकप्रिय संगठन होमरूल लीग के सदस्यों का साथ ले आंदोलन को प्रोत्साहित किया।

खिलाफत आन्दोलन:
अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति को चुनौती देने तथा हिंदू मुस्लिम एकता को प्रोत्साहन देने हेतु गांधी ने तुर्की के खलीफा के मुद्दे को भारतीय आन्दोलन में सम्मिलित किया।

असहयोग आन्दोलन:
जनाधार बढ़ाने हेतु किसानों, महिलाओं, विद्यार्थियों, उद्योगपतियों, वकीलों आदि को आन्दोलन से जोड़ा साथ ही नागपुर अधिवेशन के तहत कांग्रेस के संविधान में परिवर्तन को प्रोत्साहित किया। आन्दोलन को दमन से बचाने हेतु चौरी-चौरा काण्ड के बाद आन्दोलन वापस लिया।

सविनय अवज्ञा आन्दोलन:
• नमक जैसे मुद्दे को आन्दोलन का आधार बनाया जिससे सविनय अवज्ञा आन्दोलन का स्वरूप लोकतांत्रिक हो।
• समाजवाद के विचारों को देखते हुए तथा युवा नेतृत्व को बल देने हेतु लाहौर अधिवेशन

में नेहरू को अवसर।

एकल विराम संघर्ष, 1940 के स्थान में निर्वाल को भर्ती हेतु इस नीति को अपनाया साथ ही विराम के समय में रचनात्मक कार्यों पर बल

व्यक्तिगत सत्याग्रह!

अंग्रेजों द्वारा आन्दोलन ऊपर पाबंदी लगाने के क्रम में गांधी द्वारा व्यक्तिगत सत्याग्रह जिसमें द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों की भागीदारी का विरोध

भारत छोड़ो आन्दोलन!

- आजादी पाने हेतु "करो या मरो" का मंत्र
- आन्दोलन को स्व नेतृत्व की प्रेरणा।

गांधी जी ने समय समय अपने संघर्ष विधि को परिवर्तित कर स्वतंत्रता संग्राम को सफलता प्रदान करने में सहायता प्रदान की।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Bring out the relationship between the industrial revolution and the advent of imperialism in different parts of the world. **(250 words) 15**
औद्योगिक क्रांति और विश्व के विभिन्न भागों में साम्राज्यवाद के आरंभ के मध्य संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

अठारवीं शताब्दी में घटित औद्योगिक क्रांति ने विश्व के विभिन्न भागों में साम्राज्यवाद को त्वरण प्रदान करने में महती भूमिका निभायी।

औद्योगिक क्रांति और साम्राज्यवाद के आरंभ में संबंध :

कच्चे माल की चाह :
- उद्योगों हेतु कच्चे माल की आवश्यकता ने भी साम्राज्यवाद को बल दिया (जैसे भारत अंग्रेजों के लिये कच्चे माल का निर्यातक बन गया)

~~बाजार~~ बाजारों की चाह :
- उत्पादित ~~वस्तु~~ पदार्थ हेतु बाजार की आवश्यकता
• ऐसे लोग जो उत्पादित विदेशी वस्तुओं को आयातित एवं उपयोग करें (भारत में अंग्रेजों ने सामाजिक एवं आर्थिक नीतियां को इसी अनुकूल बनाया)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यापारियों का उदय!
• इन्होंने पूंजी निवेश हेतु स्रोत की मांग की
• बैंकिंग, रेलवे तथा उद्योगों में पूंजी का निवेश किया जिससे आर्थिक साम्राज्यवाद को बल

राष्ट्रवाद की भावना का उदय!
औद्योगिक क्रांति से आर्थिक तथा राजनीतिक एकीकरण द्वारा राष्ट्रवाद की भावना को बल दिया जिससे राष्ट्रों में साम्राज्यवाद की भावना को बल मिला (जैसे अफ्रीकी देशों में यूरोपीय राष्ट्रों के मध्य साम्राज्यवाद को लेकर संघर्ष)

नवीन खोजें तथा उपकरण!
क्रांति के साथ नौसेना, दिशा सूचक यंत्रों, मानचित्र आदि का विकास हुआ जिससे मार्गों/आविष्कार हुई जो साम्राज्यवाद के आरंभ में सहायक रही (जैसे केप आफ गुड होप की खोज)

राष्ट्रों का का एकीकरण!
औद्योगिक क्रांति ने यूरोपीय राष्ट्रों यथा जर्मनी

इटली आदि के एकीकरण के बाद किया जिससे इन राष्ट्रों ने साम्राज्यवाद की प्रक्रिया में भाग लिया।

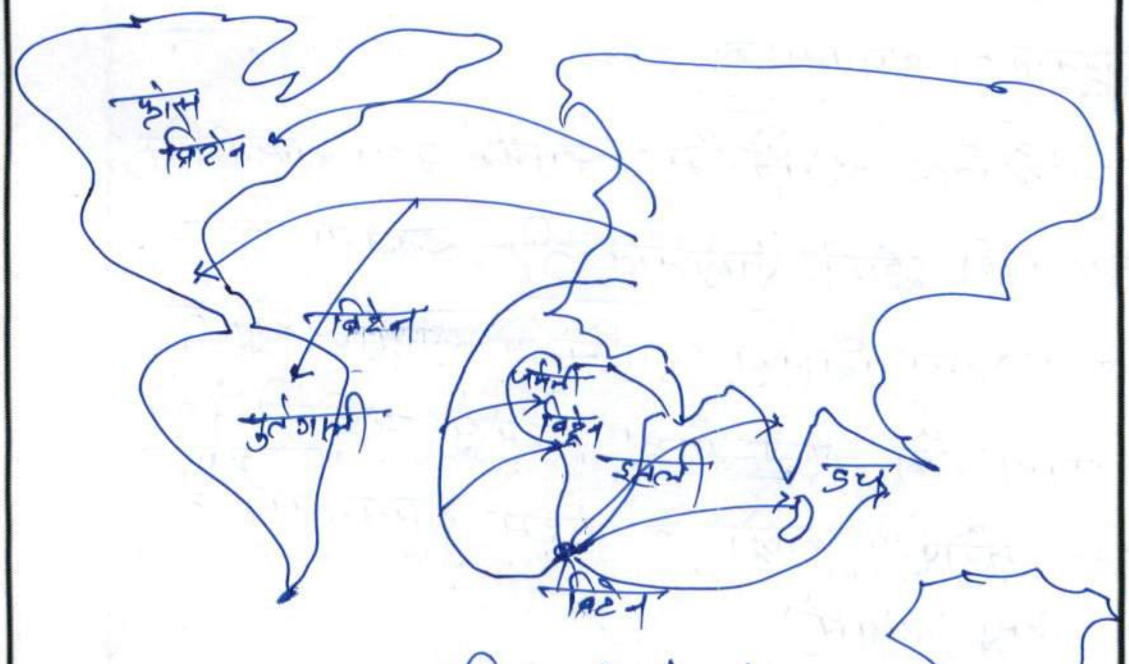

साम्राज्यवादी शक्तियाँ एवं उनका स्रोत

इसके साथ ही औद्योगिक क्रांति ने श्रम, पूंजी आदि की आवश्यकताओं के क्रम में साम्राज्यवाद को आरंभ किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. The caste system in India has continued to persist by adapting itself to a variety of changing socio-economic and political conditions in the past few decades. Discuss. **(250 words) 15**

भारत में जाति व्यवस्था विगत कुछ दशकों में परिवर्तित होती विभिन्न सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक स्थितियों के अनुरूप अपने आपको ढालकर विद्यमान है। चर्चा कीजिए।

जाति भारतीय भारतीय समाज की ऐसा विशेषता है जो जन्म के आधार पर सामाजिक तथा आर्थिक स्थितियों पर बल देकर शुद्धता तथा अशुद्धता के विचार को प्रोत्साहित करती है।

जाति व्यवस्था में स्थितियों के अनुरूप परिवर्तन:

सामाजिक स्थिति एवं जाति व्यवस्था में परिवर्तन:

- संवैधानिक प्रावधानों (यथा अनुच्छेद 17 तथा सामाजिक न्याय) के कारण अस्पृश्यता जैसे विचारों में कमी
- जातिगत आधार पर सामाजिक लामबंदी
- समाज में अधिकारों को लेकर संघर्ष (बदायूं मामला)
- उच्च जातियों के सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को अपनाने के क्रम में सामाजिक संस्कृतिकरण

आर्थिक स्थिति एवं जाति व्यवस्था में परिवर्तन:

- शहरीकरण, औद्योगिकीकरण तथा वैश्वीकरण आदि के कारण जाति व्यवस्था के कमजोर होने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- जातिगत आधार पर आर्थिक-क्रियाओं की बजाय हर क्षेत्र में हर जाति के लोगों का शामिल होना (आज दलित, वैश्य जैसी जातियां भी शिक्षा के क्षेत्र वहीं ब्राह्मण जाति व्यापार में
- आर्थिक नीतियों में सरकार की नीतियों में सुझाव हेतु जातिगत आधार पर संगठनों का निर्माण (DICCI)

राजनीति स्थिति और जाति व्यवस्था में परिवर्तन:

- अनुच्छेद 243D, 243T, 332, 334 आदि के द्वारा आरक्षण का प्रयोग कर पिछड़ी जातियों का राजनीति में प्रतिनिधित्व बढ़ रहा।
- जातिगत आधार पर राजनीतिक पार्टियों का गठन (जैसे बसपा, सपा)
- जाति आधारित राजनीति में वृद्धि जिससे जाति का राजनीतिकरण तथा राजनीति का जातिकरण बढ़ा है

• कई जातियों द्वारा आरक्षण की मांग हेतु दबाव समूहों के रूप में कार्य (जैसे जाट, गुज्जर आदि)

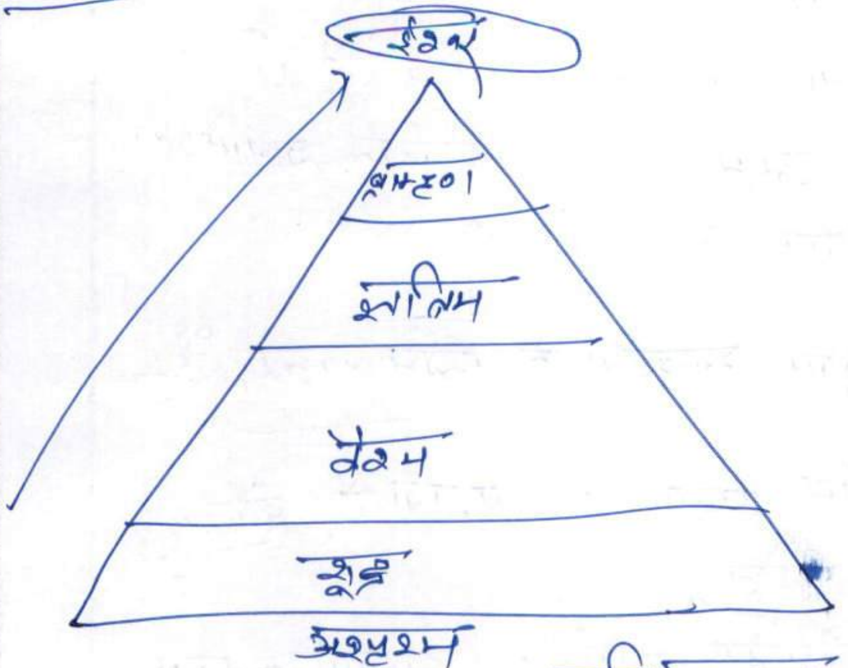

जाति व्यवस्था

भारत में जाति व्यवस्था जो प्राचीन समय से समाज का हिस्सा रही वर्तमान में विभिन्न आर्थिक-सामाजिक तथा राजनीतिक परिवर्तनों के अनुरूप अपने स्वरूप को परिवर्तित कर समाज में बनी हुयी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. It is argued by some that regionalism is a threat to national integrity while others consider it as a highly impactful tool in facilitating political participation. Discuss. **(250 words) 15**

कुछ लोगों द्वारा यह तर्क दिया जाता है कि क्षेत्रवाद राष्ट्रीय अखंडता के लिए एक खतरा है, जबकि अन्य लोग इसे राजनीतिक सहभागिता को सुगम बनाने में एक अति प्रभावशाली साधन मानते हैं। चर्चा कीजिए।

क्षेत्रवाद से तात्पर्य किसी क्षेत्र विशेष के प्रति सांस्कृतिक तथा राजनीतिक निष्ठा है जो उस क्षेत्र को अन्य क्षेत्र से अधिक प्राथमिकता प्रदान करने पर बल देती है।

क्षेत्रवाद राष्ट्रीय अखंडता के लिये खतरा है।

- यह क्षेत्रीय अशांति को बढ़ाता है (पूर्वोत्तर क्षेत्र)
- यह भौगोलिक, आर्थिक - सामाजिक तथा नृजातीय विविधता में एकता के सूत्र को ~~पनपने~~ पनपने में बाधा उत्पन्न करता है
- यह क्षेत्रीय हिंसा को प्रोत्साहित करके उग्रराष्ट्रवाद, अलगाववाद जैसी विरोधी भावनाओं को बल देता है (पंजाब में खालिस्तान की मांग)
- यह समाज में चरमपंथ तथा

~~साथ~~ संप्रभुता को बल देती है (जैसे जम्मू कश्मीर में)

↳ यह संकीर्ण भावना तथा अखण्डता की भावना को चुनौती देता है (पूर्वोत्तर में ग्रेटर नागालिम, बोडोलैण्ड आदि की मांग)

क्षेत्रवाद ~~संकीर्ण~~ राजनीतिक सहभागिता को सुगम बनाने का साधन:

→ हर क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित
→ पिछड़े क्षेत्रों के प्रति केंद्र तथा संबंधी राज्य का ध्यान आकर्षित करवे (सौराष्ट्र, विदर्भ
→ भाषायी तथा नृजातीय संस्कृति को बनाये रखने में (द्रविड़ आन्दोलन, गोरखालैण्ड की मांग)
→ आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने हेतु ध्यान आकर्षित करना (~~...~~ हरितप्रदेश)
↳ राजनीतिक - आर्थिक विकास हेतु अलग राज्य की मांग (तेलंगाना, छत्तीसगढ़, झारखण्ड का निर्माण)

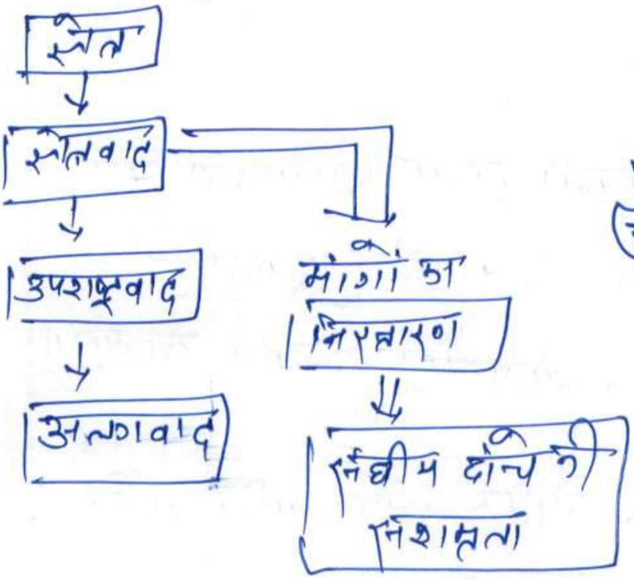

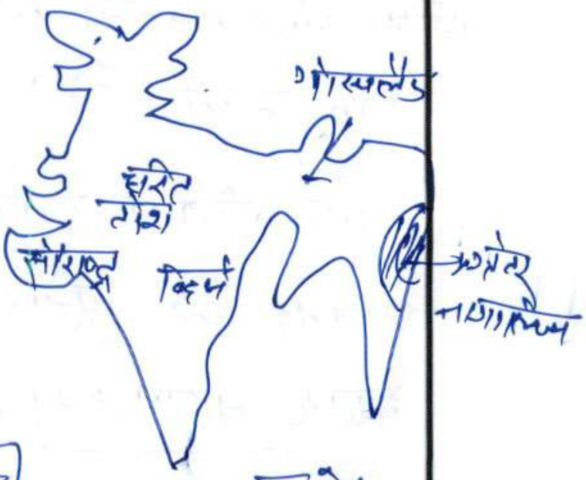

भारत में क्षेत्रवाद

- भारतीय संविधान की 371 अनुच्छेद, 5वी, 6वी अनुसूची आदि के माध्यम से क्षेत्रवाद के प्रति सहिष्णु दृष्टिकोण अपनाता है।

अतः क्षेत्रवाद के पीछे उपस्थित कारकों का प्रभावी हल क्षेत्रवाद को भारतीय एकता एवं अखण्डता को प्रोत्साहित करने में एक साधन के रूप में बना सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Natural gas has become an important primary energy source and its consumption is projected to increase further. Identify various usages of natural gas and give a brief account of its distribution globally.

(250 words) 15

प्राकृतिक गैस एक महत्वपूर्ण प्राथमिक ऊर्जा स्रोत बन गया है तथा इसके उपभोग में आगे और वृद्धि होने का अनुमान है। प्राकृतिक गैस के विभिन्न उपयोगों की पहचान कीजिए और विश्व स्तर पर इसके वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

प्राकृतिक गैस, एक स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, इसका उपभोग घरेलू, औद्योगिक आदि क्षेत्रों में बढ़ा है। पेरिस समझौता, किंगली समझौता, आदि के परिप्रेक्ष्य में इसके उपभोग में आगे और वृद्धि होने का अनुमान है।

प्राकृतिक गैस के विभिन्न उपभोग:-

- भोजन पकाने में:- LPG के रूप में व्यापक स्तर पर प्रयोग (उज्ज्वला योजना भारत में)
- उर्वरक निर्माण:
  प्राकृतिक गैस का उपयोग सुपरफास्फेट आदि उर्वरकों के निर्माण में सहायक
- ऊर्जा उत्पादन: भारत में कुल ऊर्जा उत्पादन में 6% योगदान प्राकृतिक गैस का
- प्रकाश में: प्राकृतिक गैस को ~~प्रक~~ प्रकाश उत्पन्न करने के लिये प्रयुक्त

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परिवहन में:
परिवहन के साधनों के इंजनों को शक्ति प्रदान करने के रूप में

प्राकृतिक गैस का वितरण:-

रूस: इसका युरेन पूर्वी क्षेत्र, सखालिन स्रोत आदि

अमेरिका:
यह प्राकृतिक गैस का अग्रणी उत्पादक देशों में से एक है एप्लेशियन माउंट स्रोत में प्राप्त

पश्चिम एशिया:
यह क्षेत्र प्राकृतिक गैस उत्पादन का मुख्य स्रोत है सऊदी अरब, इराक, ईरान (फारस की खाड़ी क्षेत्र) आदि प्राकृतिक गैस उत्पादन स्रोत हैं।

मध्य एशिया:
कजाकस्तान, अजरबैजान आदि

भारत:
बाम्बे हाई, खम्भात खाड़ी, कृष्णा-कावेरी बेसिन आदि प्राकृतिक गैस उत्पादन क्षेत्र

है।

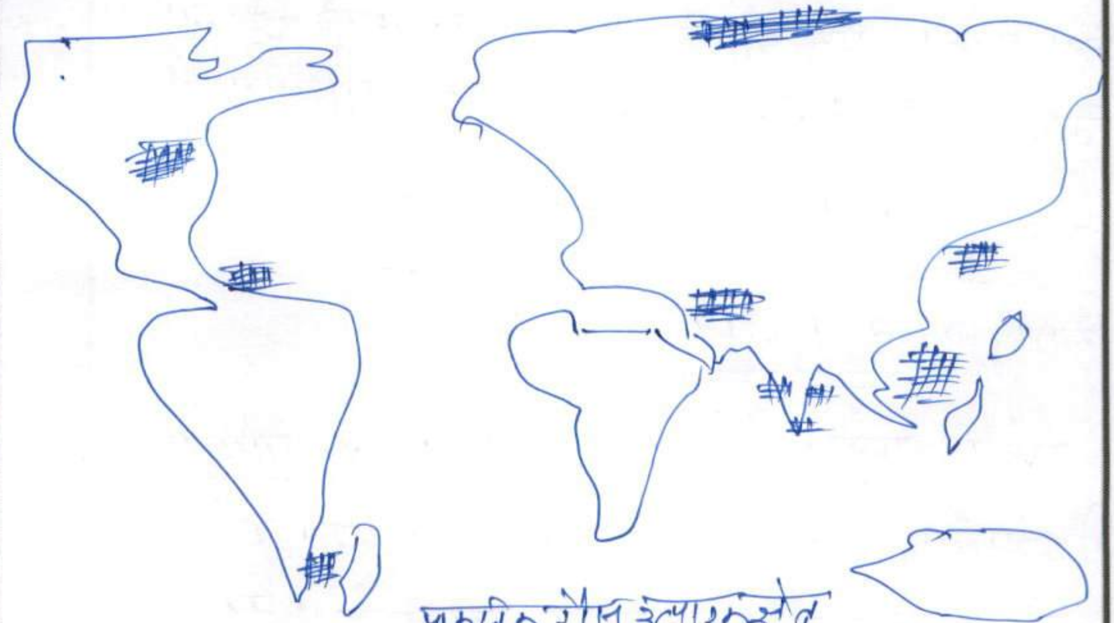

प्राकृतिक गैस उत्पादक स्रोत

वैश्विक तापन को कम करने तथा वायु प्रदूषण को कम करने में प्राकृतिक गैस मुख्य सहायक है जिसका उपयोग प्रोत्साहित करना चाहिये।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Describe the process of rift valley formation, with special emphasis on the Great Rift Valley System. **(250 words) 15**

महान भ्रंश घाटी प्रणाली पर विशेष बल देते हुए, भ्रंश घाटी के निर्माण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

महान भ्रंश घाटी अफ्रीकी महाद्वीप में स्थित है। भ्रंश घाटी एक भौगोलिक स्थलाकृति है जो विभिन्न भौगोलिक प्रक्रियाओं का परिणाम है।

भ्रंश घाटी के निर्माण की प्रक्रिया:

कुंजी पटल सिद्धान्त:

इसमें पटल में तनाव मूलक शक्तियों की आधिकता होती है जिसमें पटल में विपरीत दिशाओं में बल लगाता है। इस क्रम में मध्यवर्ती भाग में दरार, भ्रंशन आदि का विकास होता है।

तनाव मूलक शक्तियों के आधिक होने से मध्यवर्ती पटल (कुंजी शिला) गुरुत्वीय प्रभाव में नीचे की ओर अवतलित हो जाती है जिससे भ्रंश घाटी तथा दोनो ओर भ्रंशोत्थ पर्वतों का निर्माण होता है।

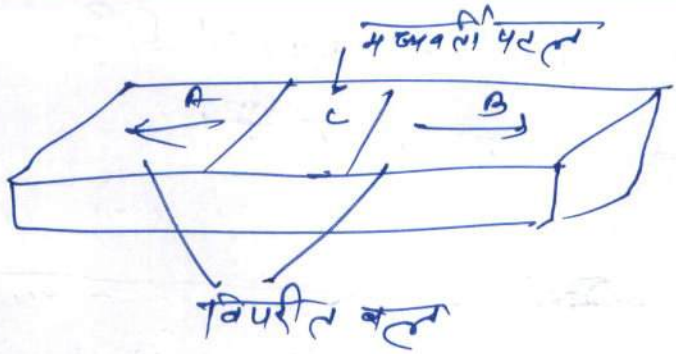

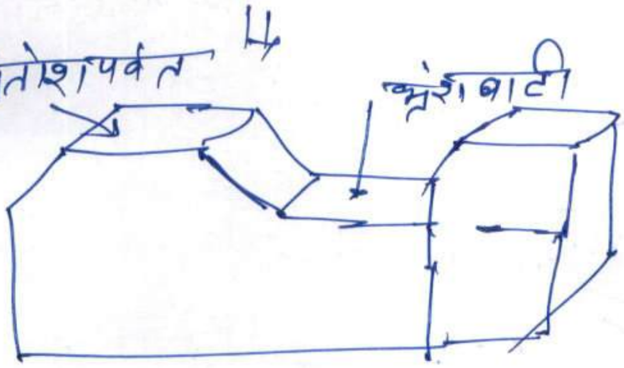

② प्लेट विवर्तनिक सिद्धांत!

इस सिद्धांत के अनुसार कुछ प्लेटों में सीमाओं का निर्माण तिरछी क्रम में होता है अतः प्लेटों में अभिसरण तथा अपसरण नहीं होता बल्कि प्लेट एक दूसरे के ~~समांतर~~ समांतर गतिशील होती हैं इससे प्लेटों के मध्य घर्षण में वृद्धि होती है जिससे भ्रंश घाटियों का

निर्माण होता है। अफ्रीका की रिफ्ट वैली के निर्माण में यही कारक प्रमुख है।

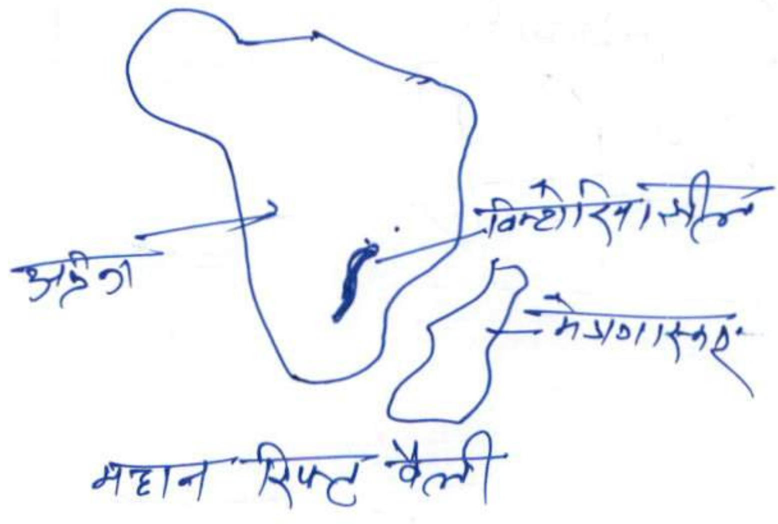

अतः भ्रंश घाटियों के निर्माण को विभिन्न अंतर्जात तथा बहिर्जात बलों ने प्रभावित किया है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. India's water resources have witnessed rapid depletion due to a mix of economic, geographic, and political factors. Explain and discuss its implications. **(250 words) 15**

भारत के जल संसाधनों में विभिन्न आर्थिक, भौगोलिक और राजनीतिक कारकों के संयोजन के कारण तेजी से ह्रास देखा गया है। स्पष्ट कीजिए एवं इसके निहितार्थों की विवेचना कीजिए।

नीति आयोग के कंपोजित जल इंडेक्स के अनुसार 2020 तक दिल्ली सहित भारत के 21 बड़े शहरों में भौमजल समाप्त हो जायेगा। यह संकेत जल संसाधनों में ह्रास को दर्शाता है।

आर्थिक कारक.

↳ हरित क्रांति के बाद मशीनीकरण जिससे जल का भारी दोहन (पंजाब, हरियाणा) (80% भौमजल कृषि में)

→ कागज, तापीय, आदि उद्योगों में जल का व्यापक उपयोग

↳ फ्लैश युक्त शौचालयों में जल का व्यापक उपयोग

↳ खनन से जल प्रदूषण (पं.बंगाल आर्सेनिक समस्या)

भौगोलिक कारक।

• तटीय क्षेत्रों में लवणीय जल का भौमजल में प्रवेश (तमिलनाडु, सौराष्ट्र)

• वृष्टि छाया क्षेत्रों में वर्षा की कमी (मराठवाड़ा, कर्नाटक का वृष्टि छाया क्षेत्र)

• पूर्वोत्तर क्षेत्र में अति वर्षा के बाद भी जल संग्रहण की उपयुक्त तकनीक अभाव के कारण जल की कमी

• पूर्वी भारत में जल में फ्लोराइड की समस्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

राजनीतिक कारण:

- जल नीति 2012 का अप्रभावी क्रियान्वयन
- जल प्रदूषण नियंत्रक संस्थाओं में मानव संसाधन, तकनीकी की कमी
- केंद्रीय एवं राज्य एजेंसियों में समन्वय का अभाव
- जल के स्रोत में सहभागिता
- इच्छा शक्ति की कमी

निहितार्थ:

सामाजिक:

- स्वच्छ जल का अभाव (70% जल प्रदूषित नीति आयोग)
- फ्लोरोसिस, ब्लैक फुट जैसी बीमारियां
- अस्वच्छ जल कुपोषण को बढ़ाता है
- श्वसन की समस्या

आर्थिक:

- कृषि हेतु जलाभाव
- जल की कमी बागवानी फसलों को प्रभावित
- औद्योगिक विकास को बाधा
- शुद्ध जल प्राप्ति हेतु आय का बड़ा हिस्सा खर्च

पर्यावरणीय:

- भौमजल का प्रदूषण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

• जलीय विविधता का ह्रास
• जल में बायोमैग्निफिकेशन की अधिकता भारी जैव संचयन, जैवआवर्धन तथा कुपोषण को बढ़ायेगी।

राजनीतिक:
• स्वच्छ जल प्रदान करने हेतु राजकोषीय व्यय में वृद्धि
• राज्यों के मध्य विवाद (कर्नाटक-तमिलनाडु)

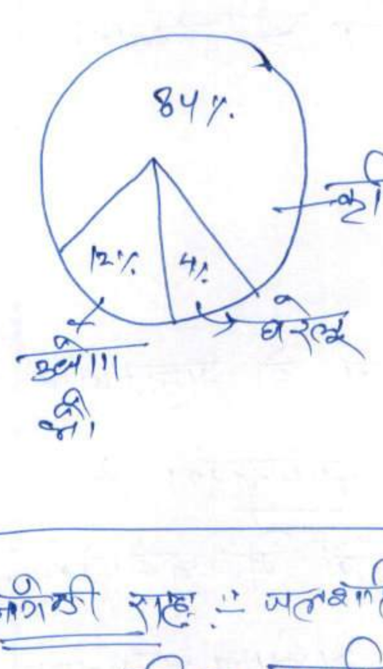

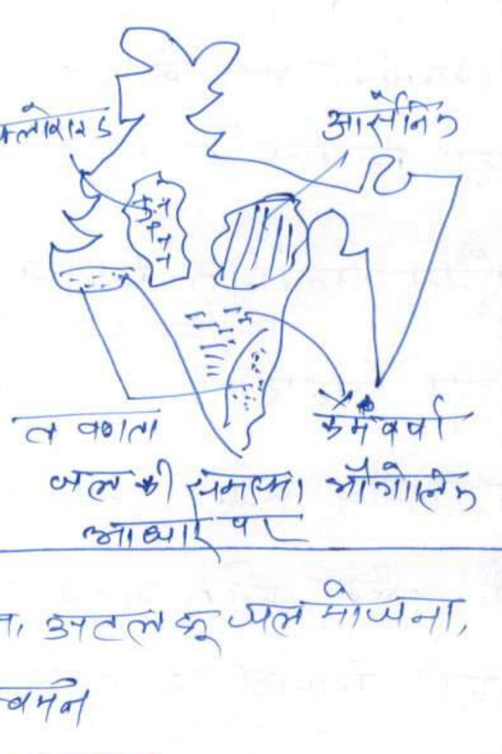

जल की समस्या भौगोलिक आधार पर

आगे की राह :- जलशक्ति मिशन, अटल भू जल योजना, आदि का प्रभावी क्रियान्वयन
• कृषि पद्धतियों को तर्कसंगत बनाना
• भौम जल का संधारणीय दोहन
• वाटरशेड मैनेजमेंट, सूक्ष्मसिंचाई आदि को प्रोत्साहन

जल आधारभूत आवश्यकता है भारत के समावेशी एवं सतत विकास के लिये इसका संवर्धन आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. How are plateaus formed? Also, briefly discuss the features of the Deccan plateau and its economic significance. (250 words) 15

पठार का निर्माण कैसे होता है? साथ ही, दक्कन के पठार की विशेषताओं और इसके आर्थिक महत्व की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

पठार एक संरचनात्मक स्थलाकृति है जो विभिन्न खनिजों, मृदाओं, आदि संसाधनों का स्रोत है।

पठार का निर्माण

① ज्वालामुखी के उद्गार से:
ज्वालामुखी से निकलने वाला पृथ्वी की भूपर्पटी पर फैल कर पठारों की संरचना का निर्माण करता है।

② प्लेट विवर्तनिक सिद्धान्त:
इस सिद्धान्त के अनुसार जब दो महाद्वीपीय महाद्वीपीय प्लेटों के मध्य अभिसरण होता है तो उनके मध्य बने गर्तों में भूसन्नतियों का निर्माण होता है। इन ~~भूसंनत~~ भूसन्नतियों में वलन से पठारों का निर्माण होता है जो वलित पर्वतों के मध्य स्थित होते हैं।

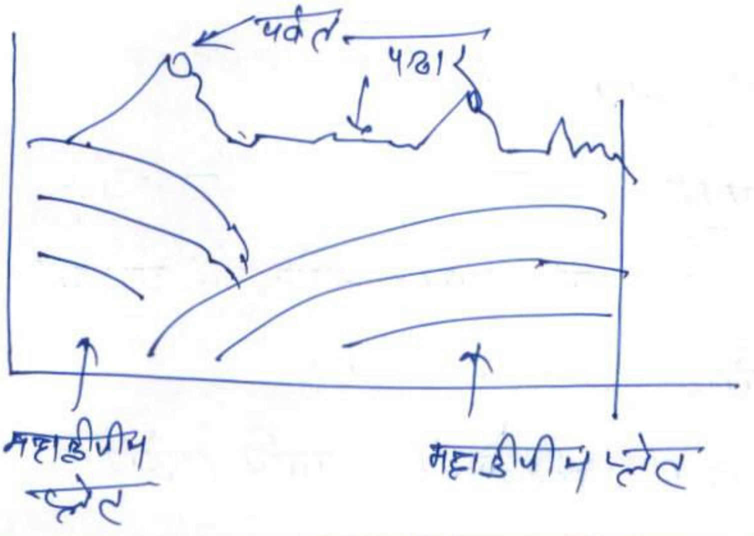

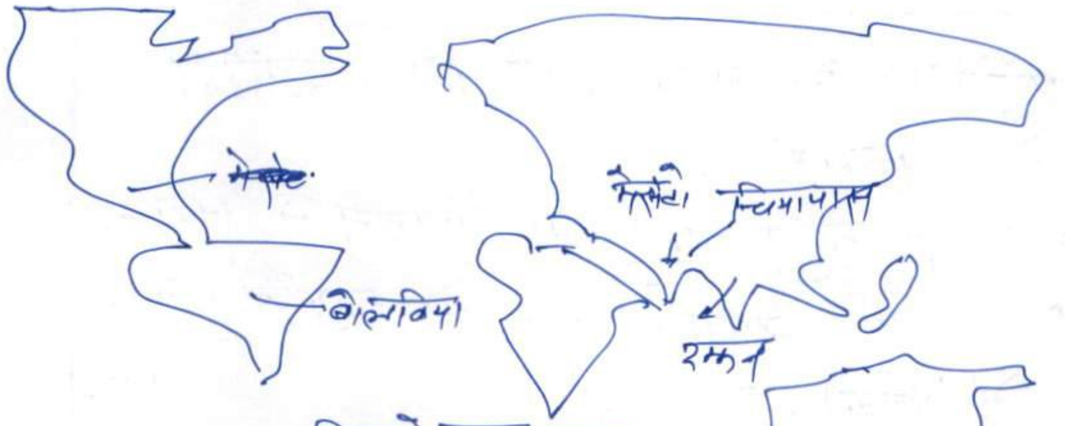

विश्व के प्रमुख पठार

दक्कन के पठार की विशेषताएं:

- इसका निर्माण रियूनियन ज्वालामुखी के लावा से हुआ।
- यहाँ आर्कियन निस चट्टानें
- रेगुर काली (जिसका निर्माण लावा के अपरदन से हुआ)
- यहाँ चट्टानों के मध्य संधियाँ

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- नदियों का आयताकार तथा ट्रेलिस प्रतिरूप
- आदी कर्तन स्थलाकृतियाँ

आर्थिक विशेषता.

- काली मृदा जो नमी धारण करने में सक्षम इसलिए कपास उत्पादक क्षेत्र
- यहां विभिन्न खनिजों की प्राप्ति (जैसे लौह अयस्क (कुद्रेमुख, बेल्लागिरी)
- झरनों का विकास जो जल विद्युत उत्पादन में सहायक
- नदियों का विकास जो नौवहन में सहायक
- कहीं कहीं लेटराइट मृदा जो काजू के उत्पादन में सहायक
- घोड़े के नाल के आकार की गुफायें जहां स्थापत्य कला का विकास जो आधुनिक समय में पर्यटन में सहायक

अतः प्रकार विभिन्न रूप से आर्थिक संसाधन प्रदान करते हैं।